Ph.D. Entrance Examination Syllabus

09 चित्रकला एवं विजुअल आर्ट्स

1. **कला दृष्यकला के मूलाधार** – स्थान, रूप , आकार, रेखा रंग संतुलन, संयोजन आदि।

2. **भारतीय चित्रकला** प्रागैतिहासिक काल, अजन्ता कला शैली, बाघ कला, जैन कला, दक्षिणी शैली, मुगल कला, राजस्थानी कला एवं पहाड़ी चित्रकला शैली आदि।

3. **आधुनिक भारतीय चित्रकला** कम्पनी स्कूल, कालीघाट, राजारवि वर्मा तथा इनके समकक्ष, बंगाल स्कूल एवं बंगाल शैली के चित्रकार ।

4. **स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात के चित्रकार** अम्रता शेरगिल, एम0 एफ0 हुसेन, एम0 सेजां, प्रदोष दास गुप्ता, वी0 सी0 सानियाल, दिनकर कौषिक, मजूमदार, परितोष सेन, अकबर पद्मसी, राम कुमार, एन0 एस0 बेन्द्रे, के0 के0 हैब्बर, के0 जी0 सुब्रामन्यम, के0 एस0 पाणिकर, जे0 स्वामी नाथन, ज्योति भट्ट, ए0 रामचन्द्रन, विकास भट्टाचार्य, भूपेन खक्कर, अंजली इला मेनन, अर्पीता सिंह, गोगी सरोज पाल, अपर्णा कौर, जै0 राम पटेल, नलनी मालनी, विवान सुन्दरम्,

5. **मैथड एण्ड मैटीरियल** जल रंग, तैल रंग, ऐक्रेलिक पेस्टल एवं मिक्स मिडिया आदि का प्रयोग टेम्परा एवं फ्रस्को चित्रण शैली के पारम्परिक एवं अपारम्परिक तरीके।

6. **ट्राइबल, फोक आर्ट् (लोक कला)** पट्चित्रकला, मधुबनी कला, रंगोली, मांड़ना, ऐपण, थारू, बोक्सा, भोटिया एवं जौनसारी एवं अन्य भारतीय लोक एवं जनजातिय कलायें आदि।

7. **ऐस्थेटिक्स– भारतीय सौन्दर्य शास्त्र** षड़ग, रस, ध्वनि, भाव, अनुभाव, विभाव, संचारी भाव, अलंकार, रस सिद्धान्त, कला एवं सौन्दर्य आदि। **पाष्चात्य सौन्दर्य शास्त्र** प्लेटो, अरस्तु, क्रोचे,ाण्ट, हीगल, बाउमगार्तेन, टालस्ट्राय आदि।

8. **पाष्चात्य चित्रकला का इतिहास** प्रागैतिहासिक काल, मिश्र, मैस्रोपोटामिया, शास्त्रीय कला, यूनानी कला, प्रारम्भिक इसाई कला, बाइजेन्टाइन कला, गोथिक कला, रोमनस्क कला,

9. **पाष्चात चित्रकला का इतिहास** उत्तरार्ध बरोक कला, रोकोको कला, नव शास्त्रीय वाद, यथार्थ वाद, रोमांसवाद, ।

10. **आधुनिक यूरोपीय चित्रकला** प्रभाववाद, नव प्रभाववाद,उत्तर प्रभाववाद फाववाद, घनवाद, अभिव्यंजनवाद, अतियर्थाथवाद, वस्तु निरपेक्ष, भविष्य वाद, पॉप कला आदि।